C.B.S.E

कक्षा : 9

हिंदी (ब)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :

1) **इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।**
2) **चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।**
3) **यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।**

खंड - क

प्र.1. (अ) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (2×4)(1×1)= 9

हड़प्पा में पकी मिट्टी की स्त्री मूर्तिकाएँ भारी संख्या में मिली हैं। एकमूर्ति में स्त्री के गर्भ से निकलता एक पौधा दिखाया गया है। विद्वानों के मत में यह पृथ्वी देवी की प्रतिमा है और इसका निकट संबंध पौधों के जन्म और वृद्धि से रहा होगा। इसलिए मालूम होता है कि यहाँ के लोग धरती को उर्वरता की देवी समझते थे और इसकी पूजा उसी तरह करते थे जिस तरह मिस्र के लोग नील नदी की देवी आइसिस् की। लेकिन प्राचीन मिस्र की तरह यहाँ का समाज भी मातृ प्रधान था कि नहीं यह कहना मुश्किल है। कुछ वैदिक सूक्तों में पृथ्वी माता की स्तुति है, धोलावीरा के दुर्ग में एक कुआँ मिला है इसमें नीचे की तरफ जाती सीढ़ियाँ है और उसमें एक खिड़की थी जहाँ दीपक जलाने के सबूत मिलते है। उस कुएँ में सरस्वती नदी का पानी आता था, तो शायद सिंधु घाटी के लोग उस कुएँ के जरिए सरस्वती की पूजा करते थे।

1. हड़प्पा में किसकी मूर्तिकाएँ भारी संख्या में मिली हैं?
2. हड़प्पा के लोग किसे उर्वरता की देवी समझते थे?
3. हड़प्पा के लोग धरती की पूजा कैसे करते थे?

4. वैदिक सूक्तों में किस की स्तुति है?

5. सिंधु घाटी के लोग सरस्वती की पूजा की पूजा कैसे करते थे?

प्र.1. (ब) निम्नलिखित पद्यांश को ध्यान से पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 2x3=6

वह चले झोंके कि काँपे
भीम कायावान भूधर,
जड-समंत उखड़-पुखड़कर
गिर पडे, टूटे विटप-वर
हाय! तिनकों से विनिर्मित
घोंसलों पर क्या न बीती,
डगमगाए जबकि कंकड़,
ईंट-पत्थर के महल-घर
बोल आशा के विहंगम,
किस जगह पर तू छिपा था,
जो गगन पर चढ़ उठाता
गर्व से निज तान फिर-फिर

'निर्माण'

कवि - हरिवंशराय 'बच्चन'

1. प्रस्तुत कविता के आधार पर बताइए कि आँधी ने किस-किस पर कैसा प्रभाव डाला?
2. कवि ने घोंसलों की तुलना किससे और क्यों की है?
3. 'आशा के विहंगम' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

खंड - 'ख'

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए: 2

- अनुमान
- अमृत

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए: 3

- महगा
- गाव

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए :

- खुदा
- जरा

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए :

- जँगल
- कम्पन

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए: 3

- मनौती
- चढ़ावा

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए:

- दुसाहस
- निर्जन

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए:

- लघुता
- पुष्पित

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें: 3

1. कल रविवार है छुट्टी का दिन है; आराम मिलेगा
2. क्या आप मेरे साथ चलेंगे
3. उदाहरण विज्ञान वरदान या अभिशाप

प्र. 6. निम्नलिखित शब्दों के सही संधि-विच्छेद कीजिए: 4

- सुरेन्द्र
- मतैकता
- पर्यावरण
- नयन

खंड 'ग'

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों उत्तर लिखिए: (2+2+1)=5

1. गाँधीजी से मिलने आनेवालों के लिए महादेव भाई क्या करते थे?
2. मनुष्य के जीवन में पोशाक का क्या महत्व है?
3. रसोई सहायक की मृत्यु कैसे हुई?

प्र. 7. (ब) उपनेता प्रेमचंद ने किन स्थितियों से अवगत कराया? 5

प्र. 8. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (2+2+1)=5

1. सुखिया के पिता पर कौन-सा आरोप लगाकर दण्डित किया गया?
2. कवि ने यह क्यों कहा है कि 'खुशबू रचते हैं हाथ'?
3. दूसरे पद की 'जाकी छोति जगत कउ लागै ता पर तुहीं ढरै' इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

प्र. 8. (ब) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दीजिए: 5

1. कवि ने 'नए इलाके' कविता में 'समय की कमी' की ओर क्यों इशारा किया है?

प्र. 9. 'काश मैं आपके मुल्क में आकर यह सब अपनी आँखों से देख सकता।' - हामिद ने ऐसा क्यों कहा? 5

खंड - 'घ'

प्र. 10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए। 5

- नर हो न निराश करो मन को

• इंटरनेट की दुनिया

प्र. 11. छात्रावास में रहने वाली अपनी छोटी बहन को फैशन की ओर अधिक रुझान न रख, ध्यानपूर्वक पढ़ाई करने की सीख देते हुए पत्र लिखिए। 5

प्र. 12. दिए गए चित्र का वर्णन करें: 5

प्र. 13. बढ़ते हुए महिला अपराध के संदर्भ में दो महिलाओं के मध्य बातचीत लिखिए: 5

प्र. 14. स्कूल ड्रेस के विक्रेता द्वारा दिया जानेवाले विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए: 5

C.B.S.E

कक्षा : 9

हिंदी (ब)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।

2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खंड - क

प्र.1. (अ) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2×4)(1×1)= 9

हड़प्पा में पकी मिट्टी की स्त्री मूर्तिकाएँ भारी संख्या में मिली हैं। एकमूर्ति में स्त्री के गर्भ से निकलता एक पौधा दिखाया गया है। विद्वानों के मत में यह पृथ्वी देवी की प्रतिमा है और इसका निकट संबंध पौधों के जन्म और वृद्धि से रहा होगा। इसलिए मालूम होता है कि यहाँ के लोग धरती को उर्वरता की देवी समझते थे और इसकी पूजा उसी तरह करते थे जिस तरह मिस्र के लोग नील नदी की देवी आइसिस् की। लेकिन प्राचीन मिस्र की तरह यहाँ का समाज भी मातृ प्रधान था कि नहीं यह कहना मुश्किल है। कुछ वैदिक सूक्तों में पृथ्वी माता की स्तुति है, धोलावीरा के दुर्ग में एक कुआँ मिला है इसमें नीचे की तरफ जाती सीढ़ियाँ है और उसमें एक खिड़की थी जहाँ दीपक जलाने के सबूत मिलते है। उस कुएँ में सरस्वती नदी का पानी आता था, तो शायद सिंधु घाटी के लोग उस कुएँ के जरिए सरस्वती की पूजा करते थे।

1. हड़प्पा में किसकी मूर्तिकाएँ भारी संख्या में मिली हैं?

   उत्तर : हड़प्पा में पकी मिट्टी की स्त्री मूर्तिकाएँ भारी संख्या में मिली हैं।

2. हड़प्पा के लोग किसे उर्वरता की देवी समझते थे?

उत्तर : हड़प्पा के लोग धरती को उर्वरता की देवी समझते थे।

3. हड़प्पा के लोग धरती की पूजा कैसे करते थे?

उत्तर : हड़प्पा के लोग धरती की पूजा उसी तरह करते थे जिस तरह मिस्र के लोग नील नदी की देवी आइसिस् की।

4. वैदिक सूक्तों में किस की स्तुति है?

उत्तर : कुछ वैदिक सूक्तों में पृथ्वी माता की स्तुति है।

5. सिंधु घाटी के लोग सरस्वती की पूजा की पूजा कैसे करते थे?

उत्तर : धोलावीरा के दुर्ग में एक कुआँ मिला है इसमें नीचे की तरफ जाती सीढ़ियाँ है और उसमें एक खिड़की थी जहाँ दीपक जलाने के सबूत मिलते है। उस कुएँ में सरस्वती नदी का पानी आता था, तो शायद सिंधु घाटी के लोग उस कुएँ के जरिये सरस्वती की पूजा करते थे।

प्र.1. (ब) निम्नलिखित पद्यांश को ध्यान से पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2x3=6

वह चले झोंके कि काँपे
भीम कायावान भूधर,
जड-समंत उखड़-पुखड़कर
गिर पडे, टूटे विटप-वर
हाय ! तिनकों से विनिर्मित
घोंसलों पर क्या न बीती,
डगमगाए जबकि कंकड़,
ईंट-पत्थर के महल-घर
बोल आशा के विहंगम,
किस जगह पर तू छिपा था,

जो गगन पर चढ़ उठाता
गर्व से निज तान फिर-फिर
‘निर्माण’
कवि - हरिवंशराय ‘बच्चन’

1. प्रस्तुत कविता के आधार पर बताइए कि आँधी ने किस-किस पर कैसा प्रभाव डाला?

   उत्तर : आँधी के झोंके से पहाड़ काँपने लगे, बड़े-बड़े पेड़ जड़ सहित धरती से उखड़ कर गिर पडे, छोटे-छोटे घोंसले तिनका-तिनका होकर बिखर गए तथा ईंट पत्थर से बने महल धाराशायी हो गए।

2. कवि ने घोंसलों की तुलना किससे और क्यों की है?

   उत्तर : कवि ने घोंसलों की तुलना बडे-बडे ईंट पत्थरों से बने महलों से की है, क्योकि जब तूफान से बडे-बडे महल गिर गए, तब छोटे-छोटे घोंसलों की क्या दशा हुई होगी? वे भी छिन्न-भिन्न होकर बिखर गए।

3. ‘आशा के विहंगम’ पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

   उत्तर : ‘आशा के विहंगम’ से तात्पर्य है - आशा रुपी पक्षी। कवि कहता है कि वह पक्षी मनुष्य के अंदर कहीं छिपा बैठा है और सुबह की किरण देखते ही नए उत्साह के साथ एक नया निर्माण करने के लिए उड़ने लगा है।

खंड - ‘ख’

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए : 2

- अनुमान = अ + न् + उ + म् + आ + न् + अ
- अमृत = अ + न् + उ + म् + आ + न् + अ

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए : 3

- महगा - महँगा
- गाव - गाँव

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए :

- खुदा - ख़ुदा
- जरा - ज़रा

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए :

- जँगल - जंगल
- कम्पन - कंपन

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए : 3

- मनौती - औती
- चढ़ावा - आवा

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए :

- दुसाहस - दुस्
- निर्जन - निर्

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए :

- लघुता - लघु + ता
- पुष्पित - पुष्प + इत

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें : 3

1. कल रविवार है छुट्टी का दिन है; आराम मिलेगा
   उत्तर : कल रविवार है; छुट्टी का दिन है; आराम मिलेगा।

2. क्या आप मेरे साथ चलेंगे

उत्तर : क्या आप मेरे साथ चलेंगे?

3. उदाहरण विज्ञान वरदान या अभिशाप
   उत्तर : उदाहरण : विज्ञान : वरदान या अभिशाप

प्र. 6. निम्नलिखित शब्दों के सही संधि-विच्छेद कीजिए : 4

- सुरेन्द्र = सुर + इन्द्र
- मतैकता = मत + एकता
- पर्यावरण = परी + आवरण
- नयन = ने + अन

खंड 'ग'

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों उत्तर लिखिए: (2+2+1)=5

1. गाँधीजी से मिलने आनेवालों के लिए महादेव भाई क्या करते थे?
   उत्तर : गाँधीजी से मिलने आनेवालों से महादेव जी खुद मिलते थे, उनकी समस्याएँ सुनते, उनकी संक्षिप्त टिप्पणी तैयार करते और गांधी के सामने पेश करते थे और इसके बाद वे आने वालों के साथ उनकी रूबरू मुलाकात करवाते थे।

2. मनुष्य के जीवन में पोशाक का क्या महत्व है?
   उत्तर : मनुष्य के जीवन में पोशाक का बहुत महत्व है। पोशाकें व्यक्ति के समाज में अधिकार व दर्जा निश्चित करती है। पोशाकें व्यक्ति को ऊँच-नीच की श्रेणी में बाँट देती है। कई बार अच्छी पोशाकें व्यक्ति के भाग्य के बंद दरवाज़े खोल देती हैं। सम्मान दिलाती हैं।

3. रसोई सहायक की मृत्यु कैसे हुई?
   उत्तर : प्रतिकूल जलवायु के कारण रसोई सहायक की मृत्यु हो गई थी।

प्र. 7. (ब) उपनेता प्रेमचंद ने किन स्थितियों से अवगत कराया? 5

उत्तर : उपनेता प्रेमचंद ने अभियान दल के सदस्यों को निम्न स्थितियों से अवगत कराया -

- पहली बड़ी बाधा खुंभु हिमपात की स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने यह भी बताया कि उनके दल ने कैंप - एक (6000 मीटर), जो हिमपात के ठीक ऊपर है, वहाँ तक का रास्ता साफ़ कर दिया।
- यह भी बताया कि पुल बना दिया गया है, रस्सियाँ बाँध दी गई हैं तथा झंडियों से रास्ते को चिह्नित कर दिया गया है।
- बड़ी कठिनाइयों का जायजा ले लिया गया है।
- ग्लेशियर बर्फ़ की नदी है और बर्फ़ का गिरना जारी है। यदि हिमपात अधिक हो गया तो अभी तक किए गए सारे काम व्यर्थ हो सकते हैं। हमें रास्ते खोलने का काम दोबारा भी करना पड़ सकता है।

प्र. 8. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (2+2+1)=5

1. सुखिया के पिता पर कौन-सा आरोप लगाकर दण्डित किया गया?

उत्तर : सुखिया के पिता पर मंदिर की चिरकालिक शुचिता को कलुषित करने तथा देवी का अपमान करने का आरोप लगाया गया और इस आरोप के अंतर्गत सुखिया के पिता को न्यायालय ले जाया गया और वहाँ न्यायधीश द्वारा सात दिनों के कारावास की सजा सुनाई गई।

2. कवि ने यह क्यों कहा है कि 'खुशबू रचते हैं हाथ'?

उत्तर : कवि ने ऐसा इसलिए कहा कि गंदगी में जीवन व्यतीत करनेवाले लोगों के हाथ खुशबूदार पदार्थों की रचना करते हैं। क्योंकि ये लोग स्वयं बदहाली और विषम परिस्थितियों में अपना जीवन बिताते हैं परन्तु दूसरों का जीवन खुशहाल

बनाते हैं। यहाँ पर कवि श्रमिकों की प्रशंसा नहीं करना चाहता है बल्कि वह यह कहना चाहता है कि हमें उनकी दशा सुधारने की बात सोचनी चाहिए। हमें भी अपना नैतिक कर्तव्य समझकर ऐसे मजदूर वर्ग के लिए कार्य करना चाहिए।

3. दूसरे पद की 'जाकी छोति जगत कउ लागै ता पर तुहीं ढरै' इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : इस पंक्ति का आशय यह है कि गरीब और निम्नवर्ग के लोगों को समाज सम्मान नहीं देता। उनसे दूर रहता है। परन्तु ईश्वर कोई भेदभाव न करके उन पर दया करते हैं, उनकी सहायता करते हैं, उनकी पीड़ा हरते हैं।

प्र. 8. (ब) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दीजिए: 5

1. कवि ने ‘नए इलाके’ कविता में 'समय की कमी' की ओर क्यों इशारा किया है?

उत्तर : इस कविता में समय की कमी की ओर इशारा इसलिए किया है क्योंकि जिस प्रकार से समय तेजी से बदलता जा रहा है, तो उसके साथ तालमेल बिठाने के लिए लोगों का व्यवहार भी उसी रफ़्तार से बदल रहा है। हर कोई यहाँ प्रगति की दौड़ में अंधाधुंध भाग रहा है। अत: आज सभी के पास समय का अभाव है।

प्र. 9. 'काश मैं आपके मुल्क में आकर यह सब अपनी आँखों से देख सकता।' - हामिद ने ऐसा क्यों कहा? 5

उत्तर : हामिद खाँ को पता चला कि लेखक हिंदू है तो हामिद ने पूछा - क्या वह मुसलमानी होटल में खाएँगे। तब लेखक ने बताया कि हिंदुस्तान में हिंदू-मुसलमान में कोई भेद नहीं होता है। अच्छा पुलाव खाने के लिए वे मुसलमानी होटल में ही जाते हैं।

लेखक ने हामिद खाँ को बताया भारत में हिंदू-मुसलमान मिलकर रहते हैं। पहला मस्जिद कोडुंगल्लूर हिंदुस्तान में ही बना। वहाँ हिंदू-मुसलमानों के बीच दंगे नहीं के बराबर होते हैं। हामिद को एकदम विश्वास नहीं हुआ लेकिन लेखक के कहने में उसे सच्चाई नज़र आई। वह ऐसी जगह को स्वयं देखकर तसल्ली करना चाहते थे।

खंड - 'घ'

प्र. 10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए। 5

नर हो न निराश करो मन को

जीवन में सफलता-असफलता, हानि-लाभ, जय-पराजय के अवसर मौसम के समान है, कभी कुछ स्थिर नहीं रहता। मनुष्य के जीवन में पल-पल परिस्थितियाँ बदलती रहती है। जीवन में कई बार असफलता का सामना करना पड़ता है। असफलता में निराश होने की बजाए उत्साह से कार्य किए जाए तो असफलता को भी सफलता में बदला जा सकता है। अब्राहम लिंकन भी अपने जीवन में कई बार असफल हुए और अवसाद में भी गए, किंतु उनके साहस और सहनशीलता के गुण ने उन्हें सर्वश्रेष्ठ सफलता दिलाई। आशावान व्यक्ति के आगे भाग्य भी घूटने टेक देता है।
लहरों के डर से नौका पार नही होती, कोशिश करने वालों की हार नही होती।''

इंटरनेट की दुनिया

विज्ञान के अद्भूत चमत्कारों में से एक कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा है। इस युग की रीढ़ की हड्डी है इंटरनेट। इंटरनेट की सुविधा ने ज्ञान के क्षेत्र में अद्भूत क्रांति ला दी है। हर विषय पर जानकारी प्राप्त करना आसान हो गया है। आज इंटरनेट ने दुनिया को जोड़ने का कार्य किया है। लोग मेल के माध्यम से अपने राज्य या देश से अन्य राज्य या देश में स्थिति कार्यालय से संपर्क स्थापित कर सकते हैं। इससे आने जाने में समय नष्ट नहीं होता और कार्य सुचारू रूप से चलता रहता है। आज इंटरनेट पर देश-

विदेश की जानकारी, खेल, मौसम, फ़िल्म, विवाह करवाने, नौकरी करने, टिकट बुकिंग, खरीदारी सबकुछ बड़ी सहजता से संभव हो जाता है। बैंको, बिल, सूचना संबंधी आवश्यकताओं के लिए लोगों को लंबी कतार में खड़े होने की आवश्यकता नहीं रही है। सब कंप्यूटर के माध्यम से किया जा सकता है। विज्ञान की तरह इंटरनेट वरदान भी है और अभिशाप भी। इसका दुरुपयोग भी होता है - वाइरस, अश्लील तस्वीरे भेजना, बेंक में से पैसे निकाल लेना आदि। सबको इंटरनेट के साथ-साथ उसका उचित उपयोग करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

प्र. 11. छात्रावास में रहने वाली अपनी छोटी बहन को फैशन की ओर अधिक रुझान न रख, ध्यानपूर्वक पढ़ाई करने की सीख देते हुए पत्र लिखिए। 5

बी/3,
आदर्श नगर,
दिल्ली।
दिनाँक - 5 अगस्त 2015
प्रिय बहन हेमा,

तुम्हारा पत्र मिला पढ़कर बहुत दुख हुआ कि तुम्हे इस परीक्षा में केवल 60 अंक मिले है। माँ बता रही थी कि तुम्हारा ध्यान फैशन में बहुत ज्यादा लगा रहता है। मैं फैशन के खिलाफ नहीं परंतु अगर वह आपकी पढ़ाई और भविष्य के बीच में आए तो, अवश्य हूँ।

मैं पुरातन-पंथी नहीं हूँ और न ही पुराने विचारों का समर्थन करती हूँ। यदि हमारा कोई रुझान बहुमूल्य समय को खा जाए और निर्धारित खर्च को बढ़ावा दे, तो उसे छोड़ देने में ही हमारी भलाई है। अत्यधिक फैशन की होड़ चारित्रिक पतन का कारण बन जाती है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि तुम पढ़ाई का मूल्य समझोगी। माता जी और पिता जी को मेरा प्रणाम कहना।

तुम्हारी बहन
अनुजा

प्र. 12. दिए गए चित्र का वर्णन करें: 5

उपर्युक्त चित्र जनसंख्या विस्फोट से संबंधित है। चित्र में हमें लोग ही लोग दिखाई दे रहे हैं। यहाँ पर धरती लोगों के बोझ तले दब गई है और रो रही है। ये चित्र हमें आने वाले खतरे की ओर संकेत कर रहा है कि यदि इसी तरह जनसंख्या में वृद्धि होती गई तो लोगों की आने वाले दिनों में अनेकों कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा।

बढ़ती हुई जनसँख्या हमारे देश में एक विकराल रूप लेती जा रही है। किसी जी देश की जनसंख्या यदि उस देश के संसाधनों की तुलना में अधिक हो जाती है तो वह देश पर अनचाहा बोझ बन जाती है। जनसंख्या बढ़ने से जीवन की प्राथमिक आवश्यकताएँ - भोजन, वस्त्र और मकान भी पूरे नहीं पड़ते।

बढ़ती हुई जनसँख्या किस तरह से संसाधनों को निगलती जा रही है इसका सबसे बड़ा उदाहरण है बढ़ती हुई महँगाई। बढ़ती जनता को रोजगार देने के लिए, जंगलों को खत्म करने के बाद बढ़ता औद्योगिकरण अब हमारे गाँव में पैर पसार रहा है! फलस्वरूप कंपनियों की फैक्ट्रियों अब गाँव की शुद्ध जलवायु में जहर घोल रही है वहाँ की उपजाऊ जमीन पर बसी फैक्ट्री अब

गेहूँ के दाने नहीं वो काँच के गोलियाँ पैदा कर रही है! आबादी बढ़ने से स्थिति और भी अधिक भयावह हो जाएगी, तब जलापूर्ति, आवास, परिवहन, गंदे पानी का निकास, बेरोजगारी का अतिरिक्त भार, महँगाई, बिजली जैसी आधारभूत संरचना पर अत्यधिक दबाव पड़ता नजर आएगा। सरकार को चाहिए कि वो कुछ गंभीर और सख्त नियम बनाए। जिससे जनसँख्या नियंत्रित की जा सके। आज जनसंख्या के मामले मे राष्ट्र को सही शिक्षा देने की सबसे ज्यादा जरूरत है क्योंकि शिक्षा, राष्ट्र की सबसे सस्ती सुरक्षा मानी जाती रही है। जन जागरण अभियान, पुरुष नसबंदी, गर्भ निरोधक गोलियाँ, देर से विवाह जनसंख्या को रोकने के उपाय है।

प्र. 13. बढ़ते हुए महिला अपराध के संदर्भ में दो महिलाओं के मध्य बातचीत लिखिए: 5

हेमा : अरे! प्रेमा आज बहुत दिनों बाद दिखाईं दीं? कहाँ थीं?

प्रेमा : भाभीजी के साथ एक दुर्घटना हो गई थी इसलिए इधर आना नहीं हुआ।

हेमा : ओह! क्या हो गया था?

प्रेमा : किसी बदमाश ने राह चलते गले की चेन खींच ली जिसके कारण माताजी के गले पर चोट लग गई।

हेमा : ओह! यह तो बहुत बुरा हुआ। आजकल दिनदहाड़ें ऐसी वारदातें बहुत होने लगी हैं। लगता है जैसे पुलिस और कानून का डर ही नहीं रहा है।

प्रेमा : हाँ। यदि पुलिस-विभाग अपनी जिम्मेदारी सही तरह से निबाहे तो बदमाशों की हिम्मत न हो।

हेमा : सबसे बुरी बात तो यह है कि जहाँ कुछ ऐसा बुरा घटित होता है वहाँ आस-पास मौजूद लोग भी तमाशबीन बन जाते है।

प्रेमा : तुम सही कह रही हो। लोगों को अपने जिम्मेदार नागरिक होने का कर्तव्य निबाहना चाहिए।

हेमा : क्या बदमाश पकड़ा गया?

प्रेमा : नहीं। किसी की हिम्मत नहीं हुई। वह मोटरसाइकिल पर था, झपट्टा मारकर तेजी से भाग गया।

हेमा : ओह! तुम अपनी माताजी का ध्यान रखो। मुझसे कोई भी सहायता चाहो तो बताना। माताजी को मेरा प्रणाम कहना।

प्रेमा : अवश्य। फिर मिलेंगे। नमस्कार!

हेमा : नमस्कार!

प्र. 14. स्कूल ड्रेस के विक्रेता द्वारा दिया जानेवाले विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए : 5

स्कूल ड्रेस सेल

आइए और पाइए स्कूल ड्रेस किफायती दामों में

दिनांक : 1 से 10 अप्रैल

रत्ना बाजार

दुकान नंबर -5

नई दिल्ली